हिन्दी कार्यशाला, कविता पाठ और हिन्दी प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह का दिनांक 17 सितम्बर, 2025 का कार्यवृत्त

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण द्वारा दिनांक 17 सितम्बर, 2025 को हिन्दी माह प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह, कविता पाठ एवं हिन्दी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया | मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. देवेश चतुर्वेदी, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की उपस्थिति कार्यक्रम को शोभा मंहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गयी ।

श्री उमाकान्त दुबे, उप-रजिस्ट्रार एवं प्रभारी (हिन्दी प्रकोष्ठ), पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण द्वारा मुख्य अतिथि और कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। उनके द्वारा राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के विषय में जानकारी प्रदान की गयी और अवगत कराया कि क्षेत्र 'क' व 'ख' में अनिवार्य रूप से पत्राचार द्विभाषी होना चाहिए और कार्यालय द्वारा जारी किए गए महत्वपूर्ण दस्तावेज जैसे कार्यालय आदेश, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, निविदा, संविदा आदि भी हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी किए जाने चाहिए।

डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, रजिस्ट्रार जनरल महोदय, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा मुख्य अतिथि, माननीय अध्यक्ष, कवियों एवं अन्य प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए मुख्य अतिथि माननीय सचिव (कृषि), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के जीवन वृतांत पर संक्षिप्त जानकारी उपलब्ध करायी। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि संविधान सभा द्वारा दिनांक 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी का राजभाषा के रूप में उपयोग करने का निर्णय लिया गया। इसी निर्णय के संदर्भ में हिन्दी को देश के प्रत्येक राज्य में प्रसारित करने के लिये वर्ष 1953 से पूरे भारत में 14 सितंबर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाता है। देश भर में टेलीविजन, पत्राचार, मैच में हिन्दी कॉमेंट्री और चलचित्र आदि के माध्यम से हिन्दी के उपयोग को प्रोत्साहन दिया गया और हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए अनुरोध किया गया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, माननीय अध्यक्ष, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. देवेश चतुर्वेदी का स्वागत पुष्पगुच्छ, शाल एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर दिया गया| अन्य अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

डॉ. देवेश चतुर्वेदी, मुख्य अतिथि एवं सचिव (कृषि), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के कर कमलों द्वारा हिन्दी माह प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया |

श्री अशोक कुमार, सहायक निदेशक, (राजभाषा), रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यक्रम के दौरान गृह मंत्रालय द्वारा हिन्दी के उपयोग को सरल बनाने हेतु जारी किए गए अनुवाद टूल कंठस्थ 2.0 के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

तत्पश्चात, कविता पाठ के लिए आमंत्रित कविगण श्री गोल्डी गीतकार, श्री राजकुमार 'अर्जुन', श्रीमती राजरानी भल्ला और श्रीमती सुनीता सिंह अपनी-अपनी प्रेरणादायक, हास्य एवं मनोरंजन से भरपूर कविताओं का पाठ किया।

डॉ. देवेश चतुर्वेदी, मुख्य अतिथि एवं सचिव (कृषि), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के कर कमलों द्वारा हिन्दी प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों की प्रशंसा की गयी। विशेष रूप से उन्होंने हिन्दीतर प्रतिभागियों की सराहना की जिन्होंने गैर-हिन्दी राज्य से सम्बन्धित होते हुए प्रतियोगिता में भाग ही नहीं लिया अपितु विजयी भी हुए। उनके द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को हिन्दी के उपयोग के बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया और बताया गया कि हिन्दी भाषा का उपयोग करते समय प्रचलित शब्दों का अधिक उपयोग करना चाहिए और अधिक पुस्तकों एवं हिन्दी उपन्यासों का अध्ययन करना चाहिए।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, माननीय अध्यक्ष, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार हिंदी अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) और नियम 5 का अनुपालन करने के निर्देश दिए साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया कि प्राधिकरण द्वारा जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेज़ जैसे कार्यालय आदेश, कार्यालय पत्रक, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, संविदा, निविदा आदि द्विभाषी (हिंदी एवं अंग्रेजी) जारी किए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हिन्दी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इसे व्यवहारिक भाषा के रूप में अपनाया जाना चाहिए ताकि हिन्दी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहन मिल सके।

अन्त में डॉ. रवि प्रकाश, सलाहकार (तकनीकी), पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया |

17 09 2025

PPVFRA
PPVFRA
PPVFRA
PPVFRA
PPVFRA

17 09 2025